Psa

Chapter 105

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1	הוֹדוּ	לַיהוָה	קִרְאוּ	בִשְׁמוֹ	הוֹדִיעוּ	בָּעַמִּים	עֲלִילוֹתָיו׃	
	धन्यवाद-करो	यहोवा-का	पुकारो	उसके-नाम-से	जताओ	लोगों-में	उसके-कार्य	
	H3034	H3068	H7121	H8034	H3045		H5949	

यहोवा का धन्यवाद करो! तुम उसके नाम की उपासना करो। लोगों से उनका बखान करो जिन अद्भुत कामों को वह किया करता है।

2	שִׁירוּ־	לוֹ	זַמְּרוּ־	לוֹ	שִׂיחוּ	בְּכָל־	נִפְלְאוֹתָיו׃	
	गाओ-	उसे	स्तुति-करो-	उसे	बोलो	सब-	उसके-आश्चर्यों-के-बारे-में	
	H7891		H2167		H7878	H3605	H6381	

यहोवा के लिये तुम गाओ। तुम उसके प्रशंसा गीत गाओ। उन सभी आश्चर्यपूर्ण बातों का वर्णन करो जिनको वह करता है।

3	הִתְהַלְלוּ	בְּשֵׁם	קָדְשׁוֹ	יִשְׂמַח	לֵב	מְבַקְשֵׁי	יְהוָה׃	
	घमण्ड-करो	नाम-में	उसके-पवित्र	आनन्दित-हो	हृदय	खोजने-वालों-का	यहोवा-को	
		H8034	H6944	H8055		H1245	H3068	

यहोवा के पवित्र नाम पर गर्व करो। ओ सभी लोगों जो यहोवा के उपासक हो, तुम प्रसन्न हो जाओ।

4	דִּרְשׁוּ	יְהוָה	וְעֻזּוֹ	בַּקְּשׁוּ	פָּנָיו	תָּמִיד׃		
	ढूंढो	यहोवा-को	और-उसकी-शक्ति-को	खोजो	उसका-मुख	निरन्तर		
	H1875	H3068	H5797	H1245	H6440	H8548		

सामर्थ्य पाने को तुम यहोवा के पास जाओ। सहारा पाने को सदा उसके पास जाओ।

5	זִכְרוּ	נִפְלְאוֹתָיו	אֲשֶׁר־	עָשָׂה	מֹפְתָיו	וּמִשְׁפְּטֵי־	פִיהוּ׃	
	याद-करो	उसके-आश्चर्यों-को	जो-	उसने-किए	उसके-चिह्नों-को	और-न्यायों-को-	उसके-मुख	
	H2142	H6381			H4159	H4941	H6310	

उन अद्भुत बातों को स्मरण करो जिनको यहोवा करता है। उसके आश्चर्य कर्म और उसके विवेकपूर्ण निर्णयों को याद रखो।

6	זֶרַע	אַבְרָהָם	עַבְדּוֹ	בְּנֵי	יַעֲקֹב	בְּחִירָיו׃		
	वंश	अब्राहाम	उसके-दास	सन्तान	याकूब	उसके-चुने-हुए		
	H2233	H0085	H5650		H3290	H0972		

तुम परमेश्वर के सेवक इब्राहीम के वंशज हो। तुम याकूब के संतान हो, वह व्यक्ति जिसे परमेश्वर ने चुना था।

7	הוּא	יְהוָה	אֱלֹהֵינוּ	בְּכָל־	הָאָרֶץ	מִשְׁפָּטָיו׃		
	वह	यहोवा	हमारे-एलोहीम	सब-	पृथ्वी-में	उसके-न्याय		
	H1931	H3068	H0430	H3605	H0776	H4941		

यहोवा ही हमारा परमेश्वर है। सारे संसार पर यहोवा का शासन है।

8	זָכַר	לְעוֹלָם	בְּרִיתוֹ	דָּבָר	צִוָּה	לְאֶלֶף	דּוֹר׃	
	उसने-याद-किया	सदा	अपनी-वाचा-को	वचन	जो-उसने-आज्ञा-दी	हज़ार	पीढ़ियों-के-लिए	
	H2142	H5769	H1285	H1697	H6680	H0505	H1755	

परमेश्वर की वाचा सदा याद रखो। हजार पीढ़ियों तक उसके आदेश याद रखो।

9	אֲשֶׁר	כָּרַת	אֶת־	אַבְרָהָם	וּשְׁבוּעָתוֹ	לְיִשְׂחָק׃		
	जो	उसने-बांधी	–	अब्राहाम-के-साथ	और-उसकी-शपथ	इसहाक-के-लिए		
		H3772	H0854	H0085	H7621	H3446		

इब्राहीम के साथ परमेश्वर ने वाचा बाँधा था! परमेश्वर ने इसहाक को वचन दिया था।

עוֹלָם׃	בְּרִית	לְיִשְׂרָאֵל	לְחֹק	לְיַעֲקֹב	וַיַּעֲמִידֶהָ	10
सदा-की	वाचा	इस्राएल-के-लिए	विधि-के-लिए	याकूब-के-लिए	और-उसने-स्थिर-किया-उसे	
H5769	H1285	H3478	H2706	H3290	H5975	

> परमेश्वर ने याकूब (इस्राएल) को व्यवस्था विधान दिया। परमेश्वर ने इस्राएल के साथ वाचा किया। यह सदा सर्वदा बना रहेगा।

נַחֲלַתְכֶם׃	חֶבֶל	כְּנָעַן	אֶרֶץ־	אֶת־	אֶתֵּן	לְךָ	לֵאמֹר	11
तुम्हारी-विरासत	भाग	कनान	देश-	-	मैं-दूंगा	तुझे	कहते-हुए	
H5159			H0776	H0853	H5414		H0559	

> परमेश्वर ने कहा था, “कनान की भूमि मैं तुमको दूँगा। वह धरती तुम्हारी हो जायेगी।”

בָּהּ׃	וְגָרִים	כִּמְעַט	מִסְפָּר	מְתֵי	בִּהְיוֹתָם	12
उस-में	और-परदेशी	थोड़े-से	गिनती-में	थोड़े	जब-थे-वे	
		H4592	H4557	H4962	H1961	

> परमेश्वर ने वह वचन दिया था, जब इब्राहीम का परिवार छोटा था और वे बस यात्री थे जब कनान में रह रहे थे।

אַחֵר׃	עַם	אֶל־	מִמַּמְלָכָה	גּוֹי	אֶל־	מִגּוֹי	וַיִּתְהַלְּכוּ	13
दूसरे	लोग	-	राज्य-से	जाति	-	जाति-से	और-वे-भटकते-थे	
H0312		H0413	H4467		H0413		H1980	

> वे राष्ट्र से राष्ट्र में, एक राज्य से दूसरे राज्य में घूमते रहे।

מְלָכִים׃	עֲלֵיהֶם	וַיּוֹכַח	לְעָשְׁקָם	אָדָם	הִנִּיחַ	לֹא־	14
राजाओं-को	उनके-कारण	और-उसने-डांटा	उन्हें-सताने-के-लिए	आदम-को	उसने-होने-दिया	नहीं-	
H4428		H3198	H6231	H0120	H3240	H3808	

> किन्तु परमेश्वर ने उस घराने को दूसरे लोगों से हानि नहीं पहुँचने दी। परमेश्वर ने राजाओं को सावधान किया कि वे उनको हानि न पहुँचाये।

תָּרֵעוּ׃	אַל־	וְלִנְבִיאַי	בִמְשִׁיחָי	תִּגְּעוּ	אַל־	15
हानि-पहुंचाओ	मत-	और-मेरे-नबियों-को	मेरे-अभिषिक्तों-को	छूओ	मत-	
	H0408	H5030	H4899	H5060	H0408	

> परमेश्वर ने कहा था, “मेरे चुने हुए लोगों को तुम हानि मत पहूँचाओ। तुम मेरे कोई नबियों का बुरा मत करो।”

שָׁבָר׃	לֶחֶם	מַטֵּה־	כָל־	הָאָרֶץ	עַל־	רָעָב	וַיִּקְרָא	16
उसने-तोड़ी	रोटी-की	लाठी-	सब-	देश	पर-	अकाल	और-उसने-बुलाया	
H7665	H3899	H4294	H3605	H0776		H7458	H7121	

> परमेश्वर ने उस देश में अकाल भेजा। और लोगों के पास खाने को पर्याप्त खाना नहीं रहा।

יוֹסֵף׃	נִמְכַּר	לְעֶבֶד	אִישׁ	לִפְנֵיהֶם	שָׁלַח	17
योसेफ़	बेचा-गया	दास-के-लिए	पुरुष	उनसे-आगे	उसने-भेजा	
H3130	H4376	H5650	H0376	H6440	H7971	

> किन्तु परमेश्वर ने एक व्यक्ति को उनके आगे जाने को भेजा जिसका नाम यूसुफ था। यूसुफ को एक दास के समान बेचा गया था।

נַפְשׁוֹ׃	בָּאָה	בַּרְזֶל	(רַגְלוֹ)	[רגליו]	בַכֶּבֶל	עִנּוּ	18
उसकी-जान	आया	लोहे-में	उसका-पैर	[उसके-पैरों-को]	बेड़ी-से	उन्होंने-दुखी-किया	
H5315	H0935	H1270	H7272	H7272	H3525		

> उन्होंने यूसुफ के पाँव में रस्सी बाँधी। उन्होंने उसकी गर्दन में एक लोहे का कड़ा डाल दिया।

צְרָפָתְהוּ׃	יְהוָה	אִמְרַת	דְבָרוֹ	בֹּא־	עֵת	עַד־	19
परख-गई-उसे	यहोवा-की	कहावट	उसके-वचन	आने-के-	समय	तक-	
H6884	H3068		H1697	H0935	H6256	H5704	

> यूसुफ को तब तक बंदी बनाये रखा जब तक वे बातेंजो उसने कहीं थी सचमुच घट न गयी। यहोवा ने सुसन्देश से प्रमाणित कर दिया कि यूसुफ उचित था।

20

שָׁלַח	מֶלֶךְ	וַיַּתִּירֵהוּ	מֹשֵׁל	עַמִּים	וַיְפַתְּחֵהוּ׃
भेजा	राजा–ने	और–उसे–खोला	शासक	लोगों–का	और–उसे–स्वतन्त्र–किया
H7971	H4428		H4910		

मिस्र के राजा ने इस तरह आज्ञा दी कि यूसुफ के बंधनों से मुक्त कर दिया जाये। उस राष्ट्र के नेता ने कारागार से उसको मुक्त कर दिया।

21

שָׂמוֹ	אָדוֹן	לְבֵיתוֹ	וּמֹשֵׁל	בְּכָל־	קִנְיָנוֹ׃
उसने–बनाया–उसे	स्वामी	अपने–घर–का	और–शासक	सब–	उसकी–संपत्ति–का
	H0113		H4910	H3605	H7075

यूसुफ को अपने घर बार का अधिकारी बना दिया। यूसुफ राज्य में हर वस्तु का ध्यान रखने लगा।

22

לֶאְסֹר	שָׂרָיו	בְּנַפְשׁוֹ	וּזְקֵנָיו	יְחַכֵּם׃
बांधने–के–लिए	उसके–हाकिमों–को	अपनी–जान–के–अनुसार	और–उसके–बुजुर्गों–को	बुद्धि–सिखाए
H0631	H8269	H5315	H2205	H2449

यूसुफ अन्य प्रमुखों को निर्देश दिया करता था। यूसुफ ने वृद्ध लोगों को शिक्षा दी।

23

וַיָּבֹא	יִשְׂרָאֵל	מִצְרָיִם	וְיַעֲקֹב	גָּר	בְּאֶרֶץ־	חָם׃
और–आया	इस्राएल	मिस्र	और–याकूब	रहा	देश–में–	हाम
H0935	H3478	H4714	H3290		H0776	H2526

फिर जब इस्राएल मिस्र में आया। याकूब हाम के देश में रहने लगा।

24

וַיֶּפֶר	אֶת־	עַמּוֹ	מְאֹד	וַיַּעֲצִמֵהוּ	מִצָּרָיו׃
और–उसने–बढ़ाया	–	अपने–लोगों–को	बहुत	और–उसने–शक्तिशाली–बनाया–उन्हें	उनके–शत्रुओं–से
H6509	H0853		H3966		

याकूब के वंशज बहुत से हो गये। वे मिस्र के लोगों से अधिक बलशाली बन गये।

25

הָפַךְ	לִבָּם	לִשְׂנֹא	עַמּוֹ	לְהִתְנַכֵּל	בַּעֲבָדָיו׃
उसने–बदला	उनके–हृदय–को	घृणा–करने–के–लिए	अपने–लोगों–को	छल–करने–के–लिए	उसके–दासों–के–विरुद्ध
H2015		H8130		H5230	H5650

इसलिए मिस्री लोग याकूब के घराने से घृणा करने लगे। मिस्र के लोग अपने दासों के विरुद्ध कुचक्र रचने लगे।

26

שָׁלַח	מֹשֶׁה	עַבְדּוֹ	אַהֲרֹן	אֲשֶׁר	בָּחַר־	בּוֹ׃
उसने–भेजा	मोशे	अपने–दास–को	अहरोन	जिसे	उसने–चुना–	उसे
H7971	H4872	H5650	H0175		H0977	

इसलिए परमेश्वर ने निज दास मूसा और हारुन जो नबी चुना हुआ था, भेजा।

27

שָׂמוּ־	בָם	דִּבְרֵי	אֹתוֹתָיו	וּמֹפְתִים	בְּאֶרֶץ	חָם׃
उन्होंने–रखा–	उनके–बीच	वचनों–के	उसके–चिह्न	और–चमत्कार	देश–में	हाम
		H1697	H0226	H4159	H0776	H2526

परमेश्वर ने हाम के देश में मूसा और हारुन से अनेक आश्चर्य कर्म कराये।

28

שָׁלַח	חֹשֶׁךְ	וַיַּחְשִׁךְ	וְלֹא־	מָרוּ	אֶת־	[דברוו]	(דְּבָרוֹ׃)
उसने–भेजा	अन्धकार	और–अंधेरा–किया	और–नहीं–	वे–विद्रोही–हुए	–	[उसके–वचनों–के–विरुद्ध]	उसके–वचन
H7971	H2822	H2821	H3808	H4784	H0853	H1697	H1697

परमेश्वर ने गहन अधंकार भेजा था, किन्तु मिस्रियों ने उनकी नहीं सुनी थी।

29

הָפַךְ	אֶת־	מֵימֵיהֶם	לְדָם	וַיָּמֶת	אֶת־	דְּגָתָם׃
उसने–बदला	–	उनके–पानी–को	लहू–में	और–मारे	–	उनकी–मछलियों–को
H2015	H0853	H4325	H1818	H4191	H0853	H1710

सो फिर परमेश्वर ने पानी को खून में बदल दिया, और उनकी सब मछलियाँ मर गयी।

מַלְכֵיהֶם׃	בְּחַדְרֵי	צְפַרְדְּעִים	אַרְצָם	שָׁרַץ	30
उनके-राजाओं-के	कमरों-में	मेढकों	उनका-देश	उगला	
H4428	H2315	H6854	H0776	H8317	

और फिर बाद में मिस्रियों का देश मेढ़कों से भर गया। यहाँ तक की मेढ़क राजा के शयन कक्ष तक भरे।

גְּבוּלָם׃	בְּכָל־	כִּנִּים	עָרֹב	וַיָּבֹא	אָמַר	31
उनकी-सीमाओं-में	सब-	जूएं	मक्खियों-की-भीड़	और-आई	उसने-कहा	
H1366	H3605	H3654	H6157	H0935	H0559	

परमेश्वर ने आज्ञा दी मक्खियाँ और पिस्सू आये। वे हर कहीं फैल गये।

בְּאַרְצָם׃	לֶהָבוֹת	אֵשׁ	בָּרָד	גִּשְׁמֵיהֶם	נָתַן	32
उनके-देश-में	लपटों-की	आग	ओला	उनकी-वर्षा-को	उसने-दिया	
H0776	H3852	H0784	H1259	H1653	H5414	

परमेश्वर ने वर्षा को ओलों में बदल दिया। मिस्रियों के देश में हर कहीं आग और बिजली गिरने लगी।

גְּבוּלָם׃	עֵץ	וַיְשַׁבֵּר	וּתְאֵנָתָם	גַּפְנָם	וַיַּךְ	33
उनकी-सीमा-के	पेड़	और-उसने-तोड़ा	और-उनके-अंजीर-के-वृक्ष	उनकी-दाखलता	और-उसने-मारा	
H1366	H6086	H7665	H8384	H1612	H5221	

परमेश्वर ने मिस्रियों की अंगूर की बाड़ी और अंजीर के पेड़ नष्ट कर दिये। परमेश्वर ने उनके देश के हर पेड़ को तहस नहस किया।

מִסְפָּר׃	וְאֵין	וַיֶּלֶק	אַרְבֶּה	וַיָּבֹא	אָמַר	34
गिनती	और-नहीं	और-येलेक	टिड्डी	और-आए	उसने-कहा	
H4557	H0369	H3218	H0697	H0935	H0559	

परमेश्वर ने आज्ञा दी और टिड्डी दल आ गये। टिड्डे आ गये और उनकी संखया अनगिनत थी।

אַדְמָתָם׃	פְּרִי	וַיֹּאכַל	בְּאַרְצָם	עֵשֶׂב	כָּל־	וַיֹּאכַל	35
उनकी-भूमि-का	फल	और-उन्होंने-खाया	उनके-देश-में	पौधा	सब-	और-उन्होंने-खाया	
H0127	H6529	H0398	H0776	H6212	H3605	H0398	

टिड्डी दल और टिड्डे उस देश के सभी पौधे चट कर गये। उन्होंने धरती पर जो भी फसलें खड़ी थी, सभी को खा डाली।

אוֹנָם׃	לְכָל־	רֵאשִׁית	בְּאַרְצָם	בְּכוֹר	כָּל־	וַיַּךְ	36
उनकी-शक्ति-का	सब-	पहला-फल	उनके-देश-में	पहलौठा	सब-	और-उसने-मारा	
H0202	H3605	H7225	H0776	H1060	H3605	H5221	

फिर परमेश्वर ने मिस्रियों के पहलौठी सन्तान को मार डाला। परमेश्वर ने उनके सबसे बड़े पुत्रों को मारा।

כּוֹשֵׁל׃	בִּשְׁבָטָיו	וְאֵין	וְזָהָב	בְּכֶסֶף	וַיּוֹצִיאֵם	37
लड़खड़ाने-वाला	उनके-गोत्रों-में	और-नहीं-था	और-सोना	चांदी-के-साथ	और-उसने-निकाला-उन्हें	
H3782	H7626	H0369	H2091	H3701	H3318	

फिर परमेश्वर निज भक्तों को मिस्र से निकाल लाया। वे अपने साथ सोना और चाँदी ले आये। परमेश्वर का कोई भी भक्त गिरा नहीं न ही लड़खड़ाया।

עֲלֵיהֶם׃	פַּחְדָּם	נָפַל	כִּי־	בְּצֵאתָם	מִצְרַיִם	שָׂמַח	38
उन-पर	उनका-भय	गिरा	क्योंकि-	उनके-जाने-पर	मिस्र	आनन्दित-हुआ	
	H6343	H5307		H3318	H4714	H8055	

परमेश्वर के लोगों को जाते हुए देख कर मिस्र आनन्दित था, क्योंकि परमेश्वर के लोगों से वे डरे हुए थे।

לָיְלָה׃	לְהָאִיר	וְאֵשׁ	לְמָסָךְ	עָנָן	פָּרַשׂ	39
रात	ज्योति-देने-के-लिए	और-आग	आवरण-के-लिए	बादल	उसने-फैलाया	
H3915	H0215	H0784	H4539	H6051	H6566	

परमेश्वर ने कम्बल जैसा एक मेघ फैलाया। रात में निज भक्तों को प्रकाश देने के लिये परमेश्वर ने अपने आग के स्तम्भ को काम में लाया।

40	שָׁאַל	וַיָּבֵא	שְׂלָו	וְלֶחֶם	שָׁמַיִם	יַשְׂבִּיעֵם׃
	उन्होंने-मांगा	और-उसने-लाया	बटेर	और-रोटी	आकाश-की	उसने-तृप्त-किया-उन्हें
	H7592	H0935	H7958	H3899	H8064	H7646

लोगों ने खाने की माँग की और परमेश्वर उनके लिये बटेरों को ले आया। परमेश्वर ने आकाश से उनको भरपूर भोजन दिया।

41	פָּתַח	צוּר	וַיָּזוּבוּ	מַיִם	הָלְכוּ	בַּצִּיּוֹת	נָהָר׃
	उसने-खोला	चट्टान	और-बहे	पानी	वे-चले	सूखे-स्थानों-में	नदी-की-तरह
	H6697	H2100	H4325	H1980	H6723	H5104	

परमेश्वर ने चट्टान को फाड़ा और जल उछलता हुआ बाहर फूट पड़ा। उस मरुभूमि के बीच एक नदी बहने लगी।

42	כִּי־	זָכַר	אֶת־	דְּבַר	קָדְשׁוֹ	אֶת־	אַבְרָהָם	עַבְדּוֹ׃
	क्योंकि-	उसने-याद-किया	–	वचन-को	अपने-पवित्र	–	अब्राहाम	अपने-दास
		H2142	H0853	H1697	H6944	H0853	H0085	H5650

परमेश्वर ने अपना पवित्र वचन याद किया। परमेश्वर ने वह वचन याद किया जो उसने अपने दास इब्राहीम को दिया था।

43	וַיּוֹצֵא	עַמּוֹ	בְּשָׂשׂוֹן	בְּרִנָּה	אֶת־	בְּחִירָיו׃
	और-उसने-निकाला	अपने-लोगों-को	आनन्द-के-साथ	जयजयकार-के-साथ	–	अपने-चुने-हुओं-को
	H3318		H8342	H7440	H0853	H0972

परमेश्वर अपने विशेष को मिस्र से बाहर निकाल लाया। लोग प्रसन्न गीत गाते हुए और खुशियाँ मनाते हुए बाहर आ गये!

44	וַיִּתֵּן	לָהֶם	אַרְצוֹת	גּוֹיִם	וַעֲמַל	לְאֻמִּים	יִירָשׁוּ׃
	और-उसने-दिया	उन्हें	देशों-को	जातियों-के	और-परिश्रम-को	लोगों-का	उन्होंने-अधिकार-में-लिया
	H5414	H1992	H0776		H5999	H3816	H3423

फिर परमेश्वर ने निज भक्तों को वह देश दिया जहाँ और लोग रह रहे थे। परमेश्वर के भक्तों ने वे सभी वस्तु पा ली जिनके लिये औरों ने श्रम किया था।

45	בַּעֲבוּר	יִשְׁמְרוּ	חֻקָּיו	וְתוֹרֹתָיו	יִנְצֹרוּ	הַלְלוּ־	יָהּ׃
	इसलिए-कि	वे-पालन-करें	उसकी-विधियों-का	और-उसकी-शिक्षाओं-का	वे-रखें	स्तुति-करो-	याह-की
	H5668	H8104	H2706	H8451	H5341		H3050

परमेश्वर ने ऐसा इसलिए किया ताकि लोग उसकी व्यवस्था माने। परमेश्वर ने ऐसा इसलिए किया ताकि वे उसकी शिक्षाओं पर चलें। यहोवा के गुण गाओ!